हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 12)(शहीद झलकारीबाई)
(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

पढ़ो, समझो और करो

नमूना – चिंता – चिंतित

उत्तर 1:

जीवन – जीवित

सुरक्षा –सुरक्षित

पीड़ा –पीड़ित

पराजय –पराजित

उपेक्षा –उपेक्षित

प्रश्न 2:

मुहावरे

अपने प्राणों के बलिदान का अवसर आ गया है। इस वाक्य में प्राणों का बलिदान देना ,मुहावरे का प्रयोग हुआ है। नीचे कुछ और मुहावरे दिए गए हैं। इनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर 2:

1:

टूट पड़ना,

1:

दुष्मन की सेना को देखकर सैनिक उस पर टूट पड़े ।

2:

निढाल होना,

2:

रमेष तो दिन–रात मेहनत करके निढाल हो गया ।

3:

वीरगति पाना,

3:

मेजर आनंद सीमा पर लड़ते–लड़ते वीरगति को प्राप्त हो गए ।

4:

शहीद हो जाना,

4:

सैनिक अपने प्राणों की आहुति देकर **शहीद** हो गए ।

5:

प्राणों की बाजी लगाना,

5:

देष की रक्षा के लिए सैनिकों ने प्राणों की बाजी लगा दी ।

6:

मौत के मुँह में जाना,

6:

अनजान डरावनी जगह पर जाना मौत के मुँह में जाना होता है ।

7:

मैदान में उतरना

7:

भारतीय टीम क्रिकेट के मुकाबले के लिए मैदान में उतर गईं ।

प्रश्न 3: .

पाठ से

क:

झलकारीबाई ने लक्ष्मीबाई से किस चीज की माँग की और क्यों ?

क:

झलकारीबाई ने लक्ष्मीबाई से निर्णायक युद्ध के लिए उनके वस्त्र , पगड़ी और कलगी की मॉग की जिससे कि वह अंग्रजों को धोखा दे सके और रानी लक्ष्मीबाई की रक्षा कर सके ।

ख:

'जनरल! झाँसी की रानी को जिंदा पकड़ना तुम्हारे बूते की बात नहीं है।' यह किसने, किससे और क्यों कहा?

ख:

यह बात झलकीबाई ने जनरल से युद्ध के समय कही और उसने यह भी कहा कि रानी के जिंदा रहते तुम उसे पकड़ भी नहीं सकते ।

ग:

झलकारीबाई का क्या हुआ?

ग:

झलकीबाई लड़ते–लड़ते वीरगति को प्राप्त हो गई ।

प्रश्न 4:

खोजबीन

क:

आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाली कुछ महिलाओं के नाम बताओ।

क:

बेगम हजरत महल
लक्ष्मी सहगल
सरोजिनी नायडू
चित्तूर की रानी चेनम्मा
दुर्गा भाभी

ख:

रानी लक्ष्मीबाई के बारे में सुभद्रा कुमारी चौहान की एक प्रसिद्ध कविता तुमने पढ़ी या सुनी होगी। उसकी कुछ पंक्तियाँ कॉपी में लिखो।

ख:

सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,

प्रश्न 6:

हमशक्ल

झलकारीबाई, लक्ष्मीबाई की हमशक्ल थी। तुम्हारे विचार से हमशक्ल होने के क्या–क्या लाभ या हानि हो सकते हैं?

उत्तर 6:

हमषक्ल होने के लाभ और हानि दोंनों ही हैं –

- जैसे गलती एक करे तो सजा दूसरे कों मिलती है ।
- किसी को धोखा भी आसानी से दिया जा सकता है ।
- एक दूसरे का बचाव भी किया जा सकता है जैसे झलकी बाई ने किया , उसने हमशक्ल होने का फायदा उठाकर अंग्रजों को धोखा देते हुए रानी लक्ष्मीबाई की जान की रक्षा की ।